>

Title : Fee hike by Army Schools in Jammu & Kashmir.

श्री मदन लाल शर्मा (जम्मू): महोदया, मैं आपके जरिये से एक अहम और फौरी मसले की तरफ सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं। मेरी रियासत जम्मू-कश्मीर के सभी आर्मी स्कूलों में जितने भी सिविलियन्स के बच्चे पढ़ते हैं, उन सभी की फीस चार गुणा तक बढ़ा दी गयी है। इससे इन बच्चों के वालदेन के जेहन पर बहुत बोझ है, वे बहुत परेशान हैं और उन पर माली बोझ भी पड़ रहा है।

महोदया, मैं आपके जरिए ये से सरकार से इलतिजा करना चाहता हूं कि एक फौरी मुदाखलत करके, जिनके दो-दो बच्चे एक आर्मी स्कूल में पढ़ते हैं और अगर वे 1,000 रूपए फीस देते थे और उसकी फीस अब 4,000 हो जाए। आप इसका अंदाजा लगा सकते हैं कि एक जमींदार, एक मजदूर और एक छोटा मुलाज़िम इस खर्च को कैसे वहन कर सकता है? मैंने अपने लेवल पर अथॉरिटी से बात की, लेकिन वे नहीं माने। मैं चाहता हूं कि सरकार के माध्यम से उन अथॉरिटीज पर दबाव डाला जाए और इसे री-कंसीडर करें और उनसे वाजिब फीस ली जाए। ये लोग छठे पे-कमीशन का बहाना ढूंढते हैं और कहते हैं कि वे अपने स्टॉफ को तनख्वाह देना चाहते हैं, लेकिन आम लोगों पर इसका बोझ पड़ रहा है, उन्हें इस बोझ से बचाना चाहिए। शुक्रिया।

MADAM SPEAKER: Shri D.V. Sadananda Gowda to speak. Shri Ananth Kumar will be associating himself on this issue.